शहडोल 6 जून 2014

समय

सौर अध्ययन लैंप परियोजना के तहत आकाश टेबलेट परिचालन का प्रशिक्षण

शहडोल 5 जून। आई.आई.टी मुंबई के तत्वाधान में गांवों से सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए 1 मिलियन सौर अध्ययन लैंप परियोजना का संचालन देश के 4 प्रांतों में किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत म.प्र. के जिलों में सौर अध्ययन लैंपों का वितरण किया जा रहा है जिसमें शहडोल संभाग के तीनों जिले शामिल है।

बताया गया कि स्वयं सेवी संस्था इस परियोजना के शहडोल संभाग में क्रियान्वयन हेतु सहजीवन समिति को भागीदार बनाया गया है परियोजना के तहत स्थानीय स्तर पर युवाओं द्वारा सौर अध्ययन कक्षा 5 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को मात्र 120 /- में छूट के साथ वितरित किया जाता है। समिति द्वारा अप्रैल से अबतक 2500 लैंप एसेंबल किये गये व लगभग 1600 लैंप गांवों में विद्यार्थियों को वितरित किये जा चुके है। परियोजना के तहत लैंप वितरण प्रक्रिया का ई-अभिलेखन करने हेतु वितरकों को आकाश टेबलेट के माध्यम से आनलाईन सर्वेक्षण फार्म भरने का प्रशिक्षण शहडोल में सहजीवन समिति के कल्याणपुर स्थित सामान्य सुविधा केन्द्र में दिया गया है। वितरकों को आकाश टेबलेट के उपयोग हेतु प्रशिक्षण देने हेतु आई.आई.टी मुंबई के विशेषज्ञ सुश्री सौम्या जैन मकरंद जाधव, आनंद कुमार उपस्थित रहे। समिति द्वारा शहडोल क्षेत्र में सौर अध्ययन लैंप परियोजना की कार्यप्रगति का निरीक्षण करने हेतु परियोजना को प्रदेश समन्वयक सुश्री अभिलाषा सिंह चौहान भी उपरोक्त प्रशिक्षण में उपस्थित रहीं। परियोजना केन्द्र के मामले क्रियान्वयन हेतु समिति द्वारा नियुक्त इंजीनियर प्रदीप सिंह बघेल लैंप असेंबलिंग व वितरण के कार्यों का समन्वय कर रहे है। वर्तमान में परियोजना के तहत सोहागपुर बुढ़ार व कोतमा विकासखण्ड में लैंप वितरण का कार्य चल रहा है।

समिति के सचिव डॉ. गिरधर मायनकर ने प्रशिक्षणार्थी वितरकों को पूरी लगन से टेबलेट के उपयोग कर अपनी क्षमता वृद्धि का आग्रह किया समिति सत्र 2014-2015 में संभाग के सभी विकासखण्डों में अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक इस सुविधा को उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है। परियोजना के तहत बुढ़ार विकासखण्ड के अंतर्गत कंशवाही गांव में भी सौर अध्ययन लैंप असेंबलिंग का कार्य चल रहा है। उपरोक्त जानकारी सहजीवन समितिके सचिव ने प्रेस को दी है।